Ministry of Culture
Government of India

सत्यमेव जयते

आज़ादी का अमृत महोत्सव

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

अमृत स्तम्भ

Azadi@75

आज़ादी का अमृत महोत्सव

के पाँच स्तभों पर आधारित

सीसीआरटी छात्रवृतिधारक–कलाकारों

द्वारा

सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति

15 अगस्त 2021

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)

CENTRE FOR CULTURAL RESOURCES AND TRAINING

(Ministry of Culture, Govt. of India)

Ministry of Culture
Government of India

डॉ. हेमलता एस. मोहन
अध्यक्ष

Dr. Hemlata S. Mohan
Chairperson

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
Centre for Cultural Resources and Training
(Ministry of Culture, Govt. of India)

'अमृत स्तंभ' शुभकामना संदेश

"आजादी का अमृत महोत्सव" यानी आजादी की ऊर्जा का अमृत, "आजादी का अमृत महोत्सव" यानी – स्वाधीनता सेनानियों से प्रेरणाओं का अमृत। "आजादी का अमृत महोत्सव" यानी – नए विचारों का अमृत। नए संकल्पों का अमृत। "आजादी का अमृत महोत्सव" यानी – आत्मनिर्भरता का अमृत और इसीलिए, ये महोत्सव राष्ट्र के जागरण का 'महोत्सव' है।

सीसीआटी ने आजादी के **"अमृत महोत्सव"** कार्यक्रम को **"अमृत स्तंभ"** के रूप में मनाकर कुछ नए आयामों तथा संकल्पों को देशप्रेम के भाव से उद्घाटित किया है। ऐसे कार्यक्रम जनमानस में गर्व, उत्साह और एकता की भावना लाते है। इस कार्यक्रम में सीसीआरटी के 75 छात्रवृत्ति धारकों ने अपनी भिन्न-भिन्न कला शैलियों तथा नृत्य एवं गायन के माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा दिये गये 'अमृत महोत्सव' के 5 स्तंभों – स्वतन्त्रता संग्राम, विचार, कार्य, संकल्प और उपलब्धियाँ को चित्रित करते हुए इन सभी स्तंभों को अपनी कार्यपद्धति में आत्मसात् करने का संकल्प लिया है।

सीसीआरटी ने अपने छात्रवृत्ति धारकों को टीम इंडिया के लिए देशभक्ति गायन, संगीत और नृत्य में अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक साझा मंच देकर **"अमृत स्तंभ"** कार्यक्रम मनाया।

सीसीआरटी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में निहित परिवर्तनकारी सुधारों का मार्ग प्रशस्त करते हुए विद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों में कला एवं सांस्कृतिक शिक्षा को समेकित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

स्वतंत्रता दिवस की 75वीं वर्षगाँठ पर **"आजादी के अमृत महोत्सव"** की शुभकामनाओं के साथ देश के बहुआयामी विकास के लिए हम सब संकल्पित हों यही शुभेच्छा...

वन्दे मातरम्!

– डॉ. हेमलता एस मोहन
अध्यक्ष
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र

दिनांक 15 अगस्त, 2021

Ministry of Culture
Government of India

ऋषि कुमार वशिष्ठ
निदेशक
Rishi Kumar Vashist
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
Centre for Cultural Resources and Training
(Ministry of Culture, Govt. of India)

'अमृत स्तंभ' शुभकामना संदेश

संस्कृत भाषा में एक उक्ति है- "उत्सवेन बिना यस्मात् स्थापनम् निष्फलम् भवेत" अर्थात कोई भी प्रयास, कोई भी संकल्प बिना उत्सव के सफल नहीं होता है। इसी भावना के साथ हम सभी आज **"आजादी का अमृत महोत्सव"** कार्यक्रम आजादी के 75 साल पूरा होने के उपलक्ष्य में मना रहे हैं। हम सभी यह भलिभाँति जानते हैं कि इस आजादी के लिए अनेक क्राँतिकारियों ने अपने प्राणों की आहुति दी थी। इस कार्यक्रम के माध्यम से हम उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेगें, जिन स्वाधीनता संग्राम के सेनानियों को हम जानते हैं साथ ही साथ उन्हें भी श्रद्धासुमन अर्पित करेंगे, जिन सेनानियों को इतिहास में उतनी जगह नहीं मिल पाई, उतनी पहचान नहीं मिल पाई जिसके वो हकदार थे।

सीसीआरटी "आजादी का अमृत महोत्सव" कार्यक्रम को कुछ नये आयामों एवं नये संकल्पों के साथ एक कदम और आगे बढ़ा "अमृत स्तंभ" के रूप में मना रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य हमारे देश के सांस्कृतिक एवं लोक वैविध्य को देशभक्ति परक गायन, संगीत, नृत्य, आदि के माध्यम से एक सांझा मंच प्रदान करते हुए, देशवासियों में गर्व, उत्साह व देश प्रेम का भाव जागृत करना है। सीसीआटी छात्रवृत्ति धारकों ने अपनी भिन्न-भिन्न कला शैलियों के माध्यम से देशप्रेम की एक अखण्ड भावना को बल देते हुए भारत की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से अवगत होने का मौका भी दिया है। ये ही 'अमृत स्तंभ' कार्यक्रम का मूलतत्त्व है।

माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा वैश्विक स्तर पर नये भारत की परिकल्पना को सकारात्मक रूप से सार्थक सिद्ध करना है तथा इसके लिए हमें आत्मनिर्भर, शक्तिशाली भारत, स्वावलंबी भारत के सपने को सच करते हुए अपनी कर्तव्य-निष्ठा के साथ राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पित होकर देश की प्रगति में अग्रसर होना चाहिए, ताकि हम एक शक्तिशाली राष्ट्र के रूप में उभर सकें। अन्त में सीसीआरटी परिवार व इससे जुड़े सभी अन्य सदस्यों से अपील करना चाहूँगा कि हमारे पूर्वजों ने हमें जो अनेक संघर्ष कर आजादी दी है, उसके लिए हमारा नैतिक एवं संवैधानिक कत्तर्व्य है कि हम उसे सुरक्षित रखते हुए उन्नति के मार्ग पर राष्ट्र को हमेशा आगे बढ़ायें रखें ताकि हमारे पूर्वजों द्वारा देखा गया विश्वगुरु बनने का हमारा और देश का सपना पूरा हो पाये।

- ऋषि कुमार वशिष्ठ
निदेशक,
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र

दिनांक 15 अगस्त, 2021

भूमिका

आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी द्वारा भारत की स्वाधीनता के 75वें वर्ष को **"आजादी का अमृत महोत्सव"** के रूप में मनाने के लिए 12 मार्च, 2021 को घोषणा की गई थी। उनके द्वारा इस समारोह के पांच स्तंभ भी बताए गए हैं - स्वतंत्रता संग्राम, विचार@75, उपलब्धियाँ@75, कार्य@75 और संकल्प@75 आदि प्रेरणा के रूप में सपनों और कर्तव्यों को आगे बढ़ाने एवं मार्गदर्शन के लिए उचित बतलाते हुए कहा गया कि - "अमृत महोत्सव एक जन महोत्सव है, आम लोगों की संवैधानिक भागीदारी इस महोत्सव का महत्वपूर्ण घटक है। भारत की स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत स्वयात्तशासी संगठन सीसीआरटी "आजादी का अमृत महोत्सव" को "अमृत स्तंभ" मना रहा है। 15 अगस्त 2021 को माननीय अध्यक्ष महोदय सीसीआरटी ने सीसीआरटी के परिसर में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। इसके उपरान्त "अमृत स्तंभ" कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण देशभक्ति गीतों और स्वतंत्रता संग्राम के उत्साह पर आधारित सीसीआरटी छात्रवृत्तिधारकों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की गई। इन प्रस्तुतियों में 75 वर्षों के दौरान हमारे देश की उपलब्धियों और नये भारत की आकांक्षाओं को कला के विविध रूपों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम में सीसीआरटी के 75 सीसीआरटी छात्रवृत्तिधारक-कलाकारों ने देश के अलग-2 कोनों से भाग लिया है।

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' का **पहला स्तंभ** 90 साल का **स्वतंत्रता संग्राम** (1857-1947) है। सीसीआरटी द्वारा स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा किए गए बलिदानों को अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए स्वतंत्रता सेनानियों द्वारा बनाए गए सांस्कृतिक मूल्यों एवं 75 वर्षों में भारत की प्रेरणादायक उस यात्रा का प्रसार करने का प्रयास किया गया है, जिन्हें कुछ कारणवश उनको उचित मान्यता नहीं मिल सकी है। इसमें कुछ उदाहरण ों का नाम अग्रणीय है, जैसे कि 1857 का स्वतंत्रता संग्राम जिसे 'भारत के प्रथम युद्ध' के रूप में भी जाना जाता है, 'जलियांवाला बाग' - अमृतसर में जनरल डॉयर द्वारा की गई भारतीय नागरिकों की निर्मम हत्या, 1930 में गांधी जी का 'दांडी मार्च' जो कि आत्मनिर्भरता के महत्व का प्रतीक होने के साथ-साथ ऐतिहासिक विरोध का प्रतीक भी था, 1943 में सिंगापुर से सुभाष चंद्र बोस द्वारा "दिल्ली चलो' का आह्वान करना, कैप्टन राम सिंह ठाकुरी के गीत 'कदम कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गए जा' आदि ने आज़ाद हिन्द फौज के लिए भारतीयों के दिलों में देशभक्ति की लौ को प्रज्वलित किया। इस कार्यक्रम में संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों को रोचक एवं भावपूर्ण बनाने के लिए कोरियोग्राफी सुश्री मऊमाला नायक ने की है।

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' का **दूसरा स्तंभ विचार@75** है। 15 अगस्त, 1947 को भारत की स्वतंत्रता के साथ एक दुखद घटना घटी, जिस को विभाजन की त्रासदी कहा जाता है और इसके बाद हमारे असंख्य भाई-बहनों का बलिदान रंग लाया। जिससे अनेक असफलताओं के बावजूद भी शेष भारत में 560 से भी अधिक स्वतंत्र रियासतों का एकीकरण हासिल किया गया, जो भारत के इतिहास में एक मील का पत्थर साबित हुआ। इसके उपरान्त भारतीय नागरिकों के मौलिक अधिकारों को भारत के संविधान में सुरक्षित रखा गया था। इस पर कवि वैद्य इंद्र राज भूषण ने 'जय जय जय भारत भारती' गीत लिखा था। इस गीत पर संगीत और नृत्य प्रस्तुतियों की कोरियोग्राफी डॉ. अंजना मोई सैकिया जी के द्वारा से की गई।

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' का **तीसरा स्तंभ उपलब्धियाँ@75** पर आधारित है। आधुनिक भारत की चमक विज्ञान और प्रौद्योगिकी, कृषि, स्वास्थ्य क्षेत्र में इसके उत्कृष्ट नवाचारों से परिलक्षित होती है जो वैश्विक मानकों के अनुरूप है। भारत दुनिया का पहला ऐसा देश है जो अपने पहले ही प्रयास में मंगल ग्रह पर में पहुंचा है। भारत में ही लगभग 597 फीट की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा 'लौह पुरुष' कहे जाने वाले सरदार पटेल की है। सरदार पटेल ने भारत को एकजुट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का उत्सव प्राचीन भारतीय ज्ञान प्रणालियों के बढ़ते प्रभाव की पहचान है। जिस के लिए भारत को योग गुरु कहा जाता है तथा भारत को 'दुनिया की फार्मेसी' के रूप में भी जाना जाता है। कोविड-19 से बचाव के लिए दो स्वदेशी टीकों का निर्माण भारतीय वैज्ञानिकों के लिए वैश्विक स्तर पर एक बड़ी उपलब्धि है।

'आज़ादी का अमृत महोत्सव' का **चौथा स्तंभ कार्य@75** के तहत, सक्षम राजनीतिक नेताओं और अर्थशास्त्रियों की मदद से, भारत अपनी सैन्य क्षमताओं के मामले में एक महाशक्ति होने का दावा कर सकता है। पूरी दुनिया भारत की ताकत का सम्मान करती है और उसे पहचानती है। 1962 का युद्ध हो या कारगिल या गलवान घाटी भारत ने इतिहास में अपनी वीरता और जीत की अमिट छाप छोड़ी है। भारत एक ताकत है, चाहे वह परमाणु शक्ति हो या उसकी आर्थिक शक्ति। भारत दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ने वाला आईटी हब है। हमारी पारंपरिक ज्ञान प्रणाली, भाईचारे के मूल्य और भारतीय संस्कृति में निहित 'सभी के साथ शाँति' दुनिया भर में अनमोल है। इन सभी मूल्यों को 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' अभियान से जोड़ा गया है। प्रधानमंत्री जी द्वारा शुरू किया गया 'स्वच्छ भारत अभियान' महात्मा गांधी जी के 'स्वच्छाग्रह' से प्रेरित है। डॉ. हेमलता एस. मोहन, अध्यक्ष सीसीआरटी द्वारा इस कार्यक्रम के गीत को तैयार किया गया तथा इसकी नृत्य संरचना डॉ. अंजना मोई सैकिया की है।

अंत में **अंतिम स्तम्भ संकल्प@75** बतलाते हुए माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा यह कहना कि भारत संभावनाओं और अवसरों का देश है, इसमें दुनिया की सबसे अधिक युवा आबादी है, जो ऊर्जा और उच्च आकांक्षाओं के साथ देश की प्रगति में कार्यरत है। माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा 'आत्मनिर्भर भारत' का संकल्प अनेक युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करेगा जो नए विचारों और मजबूत विकासशील कौशल एवं सुदृढ़ इच्छाशक्ति के साथ हमें प्रगतिशील भारत की ओर प्रेषित करेगा। नई शिक्षा नीति 2020 बच्चों में संज्ञानात्मकता, भावनात्मकता एवं जागरूकता बढाने के लिए उन्हें तर्क संगत, नैतिक, दयालु, बनाने के साथ-साथ लाभकारी रोजगार के लिए भी तैयार करेगी। हमारा यह संकल्प है कि समाज में हाशिये पर खड़े उस हर गरीब व्यक्ति को पानी, बिजली, रसोई गैस, घर, शिक्षा आदि बुनियादी चीजें मिले क्योंकि ये सभी व्यक्ति को समाज में मजबूत नींव के साथ बेहतर एवं सुखद भविष्य की ओर ले जाती हैं। आइए हम सभी भारत को श्रेष्ठ से सर्वश्रेष्ठ बनाने के पथ पर अग्रसर होते हुए इस मिशन का सकारात्मक रूप से हिस्सा बने। संगीत एवं नृत्य प्रस्तुति 'होगा कल सुनहरा विश्वास है यह गहरा' जिसके बोल सीसीआरटी अध्यक्ष, डॉ. हेमलता एस. मोहन द्वारा तैयार किए गए है, तथा कोरियोग्राफ सुश्री मऊमाला नायक जी द्वारा किया गया है।

डॉ. राहुल कुमार
उप निदेशक (स्कॉलरशिप/फैलोशिप),
सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केंद्र

दिनांक 15 अगस्त, 2021

List of CCRT Scholar-Artist and Students

Delhi- NCR based

Sl.No.	Name of the Scholarship holder	Photograph
1.	Utkarsh Jha	
2.	Utsav Alok	
3.	Shraddha Shree Thakur	
4.	Soumya Kannan	
5.	Kiran Rishikesh Pande	
6.	Sharannya Chatterjee	

7.	Bhavit Chopra	
8.	S Vignesh	
9.	Adhiraj Chaudhuri	
10.	Nisha Kesari	
11.	Tashi Singh	
12.	Tamanna Singh	

13.	Apala Verma	
14.	Jhalak Kalra	
15.	Ashmita Aich	
16.	Ipsa Narula	
17.	Vithi Singh	
18.	Shobha Joshi	

19.	Sugandhita Kaul	
20.	Mahi Dheri	
21.	Khilkhil Bhashanandin	
22.	Vriti Gujral	
23.	Bhavya Pant	
24.	Bharvi Nayak Kalita	

Hyderabad Based

Sl. No.	Name of the Scholarship holder	Photograph
1.	Ms. Ujwala Potharazu	
2.	Ms. C. Krishnaveni	
3.	Mr. M. Devi Rithiwik	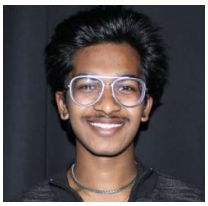
4.	Ms. S. Subhanvitha	
5.	Ms. P.V.N. Sai Pavitra	
6.	Ms. G. Ramya Sahithi	

7.	Mr. G. Nitin Kowsik	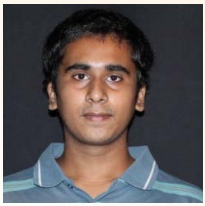
8.	Ms. Sinde Aashritha	
9.	Ms. Avani Chetluri	
10.	Ms. M. Naga Rupa Charmila	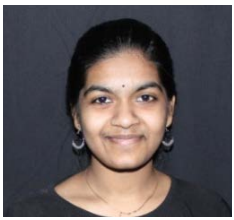
11.	Ms. Yasaswini Sree Gade	
12.	Ms. Alla Khevna Reddy	

13.	Ms. Shambhavi Sabarish	
14.	Ms. Suhani Chatterjee	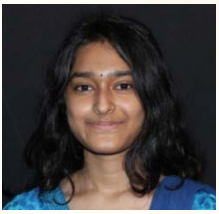
15.	Ms. G. Harshitha Reddy	
16.	Ms. Aditi G. Kulkarni	
17.	Ms. B. Samhitha	
18.	Ms. Penukonda Anjali	

19.	Ms. Kota Gayathri	
20.	Ms. T. Laxmi Prasanna	
21.	Ms. Thatigutla Gargeyee	
22.	Ms. Patakoti Saanvi	
23.	Ms. K. Indeevara	
24.	Ms. Pavindla Grishma	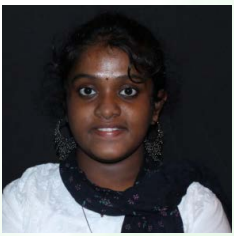

25.	Ms. Penumarthi Manasa	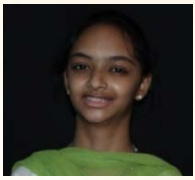
26.	Ms. Dasari Amulya Reddy	
27.	Ms. Bhallamudi Mahika	
28.	Ms. D. Ashritha	
29.	Ms. K. Devisri Santhosi	
30.	Ms. R. Veneesha Reddy	
31.	Ms. Karri Kaivalya Sri	

32.	Ms. J. Roshini	
33.	Ms. Ishita Bose	

Guwahati Based

S.No	Name of the Scholarship holder	Photograph
1.	Arinjita Borah	
2.	Avantika Choudhury	
3.	B. Palkee	

4.	Bhiolina Boro	
5.	Deepsikha Bhuyan	
6.	Harshitaa Ray Choudhury	
7.	Karnika Phukon	
8.	N. Suhani Devi	
9.	Nandinee Kashyap	

10.	Nishita Parashar	
11.	Pralakshi Baishya	
12.	Roopchanda Sarma	
13.	. Roshan Haque	
14.	Ruprekha Das	
15.	Rishikanya Dutta	

16.	Sarmistha Chowdhary	
17.	Tanushree Kalita	
18.	Upashna Thangjam	

Credits for 43rd National Cultural Festival titled "AMRIT STAMBH"

to celebrate and commemorate the

AZADI KA AMRIT MAHOTSAV

on 15th August, 2021

1. **Overall Guidance & Vision:**
   Dr. Hemlata S. Mohan, Hon'ble Chairperson, CCRT and
   Shri Rishi Kumar Vashist, Director, CCRT

2. **Conceptualization & Music Direction:**
   Pt. Chetan Joshi, Eminent Flutist

3. **Lyrics:**
   A. **"Swachchhagraha" and "Hoga Kal Sunehra"**
      – Dr. Hemlata S. Mohan, Hon'ble Chairperson, CCRT
   B. **"Kadam Kadam"**
      - Shri Ram Singh Thakuri
   C. **"Jay Jay Bharat Bharati"**
      – Kavi Vaidya Inder Raj Bhushan

4. **Choreography:**
   A. **"Jay Jay Bharat Bharati" and "Swachchhagraha"**
      – Dr. Anjana Moyee Saikia, Sattriya & Odissi Dance Exponent (Guwahati)
   B. **"Achievements"**
      – Dr. Tadepally, Kuchipudi Dance & Yakshagana Exponent (Hyderabad)
   C. **"Kadam Kadam" and "Hoga Kal Sunehra"**
      – Ms. Moumala Nayak, Kathak Dance Exponent (Delhi)

6. **Anchors:**
   - A. Shri Jainendra Singh
   - B. Ms. Bharti Dang

7. **Coordination:**
   Dr. Rahul Kumar, Deputy Director, CCRT

8. **Video Editing & Photography:**
   - **A. Shri Haardik Kashyap** (Guwahati)
   - **B. Himansee Katragadda** (Hyderabad)
   - **C. Nani Malloju & Team** (Hyderabad)

9. **Overall Video Editing, Documentation & Still Photography:**
   - **A. Shri Sri Bhagwan Verma,** Video Editor, CCRT
   - **B. Shri Santosh Kumar Mishra,** ADO, CCRT
   - **C. Shri Anil Aggrawal,** Senior Technical Assistant, CCRT
   - **D. Shri R. Toppo,** Documentation Assistant, CCRT

10. **Publication & Social Media:**
    - **A. Smt. Samriti Chopra,** Copy Editor (Production) & Social Media Nodal Officer, CCRT
    - **B. Shri Abhishek Kumar,** Copy Editor (Hindi), CCRT
    - **C. Shri Siddharth Khanna,** Social Media Officer, CCRT
    - **D. Shri Verinder Kumar,** Graphic Designer, CCRT

11. **Makeup Artist:**
    - **A. Surbhi Raghunadh** (Hyderabad)
    - **B. Surbhi Phani Kumar** (Hyderabad)
    - **C. Rakesh (Delhi)**
    - **D. Seema (Delhi)**

12. **Properties & Costumes:**
    - **A. Prasad Rayudu** (Hyderabad)

13. **Lighting and Stage Property (Hyderabad):**
    - **A. Surbhi Purnachander Rao**
    - **B. Surbhi Kishore**

14. **Synthesizer Accompaniment:**
    Shri Sudesh Pal Malik (Delhi)

15. CCRT Scholarship holders & Students:

1. Master Utkarsh Jha, Hindustani Music Vocal, Delhi
2. Master Utsav Alok, Hindustani Music Vocal, Delhi
3. Kumari Shraddha Shree Thakur, Hindustani Music Vocal, Delhi
4. Kumari Soumya Kannan, Carnatic Music Vocal, Delhi
5. Kumari Kiran Rishikesh Pande Carnatic Music Instrument – Violin, Delhi
6. Kumari Sharannya Chatterjee Hindustani Music Instrutment Sarod, Delhi
7. Master Bhavit Chopra H.M.I. Violin, Delhi
8. Master S. Vignesh,Carnatic Music Instrument -Violin, Delhi
9. Master Adhiraj Chaudhuri, H.M.I-Sitar, Delhi
10. Kumari Nisha Kesari, Kathak Dance, Uttar Pradesh
11. Kumari Tashi Singh, Kathak Dance, Delhi
12. Kumari Tamanna Singh, Kathak Dance, Delhi
13. Ms. Apala Verma, Kathak Dance, Delhi
14. Ms. Jhalak Kalra, Kathak Dance, Delhi
15. Ms. Ashmita Aich, Kathak Dance, Delhi
16. Ms.Ipsa Narula, Kathak Dance, Delhi
17. Kumari Vithi Singh,Kathak Dance, Delhi
18. Shobha Joshi, Kathak Dance, Delhi
19. Kumari Sugandhita Kaul, Kathak Dance, Delhi
20. Kumari Mahi Dheri, Kathak Dance, Delhi
21. Kumari Khilkhil Bhashanandini, Kathak Dance, Delhi
22. Kumari Vriti Gujral, Kathak Dance, Delhi
23. Kumari Bhavya Pant, Kathak Dance, Delhi
24. Kumari Bharvi Nayak Kalita, Kathak Dance, Delhi
25. Ms. Arinjita Borah, Sattriya Dance, Guwahati
26. Ms. Avantika Choudhury, Sattriya Dance, Guwahati

27. Ms. B. Palkee, Kathak Dance, Guwahati
28. Ms. Bhiolina Boro, Bharatnatyam , Guwahati
29. Ms. Deepsikha Bhuyan, Sattriya Dance, Guwahati
30. Ms. Harshitaa Ray Choudhury, Bihu Dance, Guwahati
31. Ms. Karnika Phukon, Kathak Dance, Guwahati
32. Ms. N. Suhani Devi, Manipuri Dance, Guwahati
33. Ms. Nandinee Kashyap, Sattriya Dance, Guwahati
34. Ms. Nishita Parashar, Sattriya Dance, Guwahati
35. Ms. Pralakshi Baishya, Sattriya Dance, Guwahati
36. Ms. Roopchanda Sarma, Bharatnatyam, Guwahati
37. Master Roshan Haque, Mime, Guwahati
38. Ms. Ruprekha Das, Bharatnatyam, Guwahati
39. Ms. Rishikanya Dutta, Sattriya Dance, Guwahati
40. Ms. Sarmistha Chowdhary, Guwahati
41. Ms. Tanushree Kalita, Mime, Guwahati
42. Ms. Upashna Thangjam, Manipuri Dance, Guwahati
43. Ms. Ujwala Potharazu, Kuchipudi Dance, Secunderabad
44. Ms. C. Krishnaveni, Kuchipudi Dance, Hyderabad
45. Mr. M. Devi Rithiwik, Kuchipudi Dance, Hyderabad
46. Ms. S. Subhanvitha, Bharatnatyam, Hyderabad
47. Ms. P.V.N. Sai Pavitra, Kuchipudi Dance, Hyderabad
48. Ms. G. Ramya Sahithi, Kuchipudi Dance, Vijayawada
49. Mr. G. Nitin Kowsik, Kuchipudi Dance, Andhra Pradesh
50. Ms. Sinde Aashritha, Kuchipudi Dance, Hyderabad
51. Ms. Avani Chetluri,Bharatnatyam, Hyderabad
52. Ms. M. Naga Rupa Charmila, Kuchipudi Dance, Hyderabad
53. Ms. Yasaswini Sree Gade, Kuchipudi Dance, Hyderabad
54. Ms. Alla Khevna Reddy, Bharatnatyam, Hyderabad
55. Ms. Shambhavi Sabarish, Bharatnatyam, Hyderabad

56. Ms. Suhani Chatterjee, Bharatnatyam, Hyderabad
57. Ms. G. Harshitha Reddy, Kuchipudi Dance, Hyderabad
58. Ms. Aditi G. Kulkarni, Bharatnatyam, Hyderabad
59. Ms. B. Samhitha, Kuchipudi Dance, Secunderabad
60. Ms. Penukonda Anjali, Kuchipudi Dance, Hyderabad
61. Ms. Kota Gayathri, Hyderabad
62. Ms. T. Laxmi Prasanna, Secunderabad
63. Ms. Thatigutla Gargeyee, Secunderabad
64. Ms. Patakoti Saanvi, Hyderabad
65. Ms. K. Indeevara, Hyderabad
66. Ms. Pavindla Grishma, Secunderabad
67. Ms. Penumarthi Manasa, Hyderabad
68. Ms. Dasari Amulya Reddy, Hyderabad
69. Ms. Bhallamudi Mahika, Hyderabad
70. Ms. D. Ashritha, Hyderabad
71. Ms. K. Devisri Santhosi, Hyderabad
72. Ms. R. Veneesha Reddy, Hyderabad
73. Ms. Karri Kaivalya Sri, Hyderabad
74. Ms. J. Roshini, Hyderabad
75. Ms. Ishita Bose, Secunderabad

12. Special Thanks:

A. **Ravindra Bharati Auditorium Department of Culture,** Government of Telangana, Telangana (For Hyderabad Location)

B. **Srimanta Sankardev Kalakshetra,** Guwahati, Assam (For Guwahati Location)

C. **KS Music Studio,** Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh (For Recording of Music, songs etc.)

ऋषि कुमार वशिष्ठ
निदेशक
Rishi Kumar Vashist
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
Centre for Cultural Resources and Training
(Under the aegis of Ministry of Culture, Govt. of India)

CCRT/18011/1/2021/1118
Dated August 13, 2021

कार्यक्रम पूर्व प्रेस विज्ञप्ति

43वाँ राष्ट्रीय सांस्कृतिक पर्व "अमृत स्तम्भ"

15 अगस्त, 2021 सांय 7:00 बजे

15 अगस्त, 2021 आजादी की 75वीं वर्षगांठ के शुभ अवसर पर सीसीआरटी परिसर में माननीय अध्यक्ष सीसीआरटी, डॉ. हेमलता एस मोहन द्वारा श्री ऋषि कुमार वशिष्ठ, निदेशक सीसीआरटी की उपस्थिति में भारत का राष्ट्रीय ध्वज फहराया जाएगा।

भारत सरकार द्वारा आयोजित **"आजादी का अमृत महोत्सव"** स्वतंत्र भारत के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, कुछ नये संकल्पों और आगामी परियोजनाओं की एक श्रृंखला है। जो अब जनभागीदारी की भावना के साथ जन उत्सव बन गया है । सनातन संस्कृति के गौरव, आधुनिक भारत की महिमा, स्वतंत्रता संग्राम की भावना, शहीदों को श्रद्धांजलि और उनके सपनों का भारत बनाने का संकल्प ही इस की मूल भावना है।

"अमृत स्तंभ" उन पांच पहलुओं के आस-पास घूमता है, जो स्वतंत्रता दिवस पर सीसीआरटी द्वारा आयोजित किए जा रहे 43 वें राष्ट्रीय सांस्कृतिक महोत्सव में शामिल हैं, अर्थात स्वतंत्रता संग्राम@75, विचार@75, उपलब्धियां@75, कार्य@75 और संकल्प@75। इस अवसर पर 75 सीसीआरटी छात्रवृत्तिधारकों द्वारा 15 अगस्त, 2021 को शाम 7.00 बजे सीसीआरटी फेसबुक पेज और यूट्यूब ऑफिसियल सीसीआरटी चैनल पर एक सिंक्रनाइज संगीत नृत्य प्रस्तुति ऑनलाइन प्रस्तुत की जा रही है

ऋषि कुमार वशिष्ठ

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नयी दिल्ली-110075 भारत दूरभाष : 011-25074256; 25088638; 25309300
15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075 INDIA Phones : 011- 25074256; 25088638; 25309300
e-mail : dir.ccrt@nic.in ; director.ccrt@gov.in, website : www.ccrtindia.gov.in
इस कार्यालय में हिन्दी में प्राप्त पत्रों का स्वागत है।
इस कार्यालय में हर दिन भारतीय आधिकारिक भाषाओं का दिन है।

ऋषि कुमार वशिष्ठ
निदेशक
Rishi Kumar Vashist
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
Centre for Cultural Resources and Training
(Under the aegis of Ministry of Culture, Govt. of India)

CCRT/18011/1/2021/1117
Dated August 13, 2021

PRE-EVENT PRESS RELEASE

"Amrit Stambh"-Virtual 43rd National Cultural Festival
August 15, 2021, at 7.00 pm

Hon'ble Chairperson CCRT, Dr. Hemlata S Mohan will hoist the National Flag of India on the premises of CCRT on 15th August 2021 in the presence of Director CCRT, Shri Rishi Kumar Vashist.

Azadi Ka Amrit Mahotsav is a series of various events, programs, and projects organized by the Government of India to celebrate and commemorate 75 years of independent India. This is Jan Utsav with a spirit of Jan Bhagidari that reflects the pride of Sanatan Sanskriti, Glory of Modern India, the spirit of Freedom Struggle, a tribute to Martyrs and resolve to build an India of their dreams.

Amrit Mahotsav revolves around the five aspects which are embedded in the "Amrit Stambh", 43rd National Cultural Festival being organized by CCRT on Independence Day i.e. freedom struggle, ideas, achievements, actions, and resolutions@75. 75 CCRT Scholarship Holders are presenting synchronized patriotic musical dance presentations online at CCRT Facebook Page and YouTube CCRT Official Channel at 7.00 pm on August 15, 2021.

The objective of the celebration of "Amrit Stambh" is to instill a sense of pride in the achievements of people after 1947 and the vision of India for the year 2047.

Rishi Kumar Vashist 13/8/2021

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नयी दिल्ली-110075 भारत दूरभाष : 011-25074256; 25088638; 25309300
15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075 INDIA Phones : 011- 25074256; 25088638; 25309300
e-mail : dir.ccrt@nic.in ; director.ccrt@gov.in, website : www.ccrtindia.gov.in
इस कार्यालय में हिन्दी में प्राप्त पत्रों का स्वागत है।
इस कार्यालय में हर दिन भारतीय आधिकारिक भाषाओं का दिन है।

ऋषि कुमार वशिष्ठ
निदेशक
Rishi Kumar Vashist
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
Centre for Cultural Resources and Training
(Under the aegis of Ministry of Culture, Govt. of India)

कार्यक्रम पश्चात् प्रेस विज्ञप्ति
43वाँ राष्ट्रीय सांस्कृतिक पर्व "अमृत स्तम्भ"
15 अगस्त, 2021 सांय 7:00 बजे

15 अगस्त, 2021 आजादी के शुभ अवसर पर सीसीआरटी परिसर में माननीय अध्यक्ष सीसीआरटी, डॉ हेमलता एस मोहन जी द्वारा एवं श्री ऋषि कुमार वशिष्ठ, निदेशक सीसीआरटी जी की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल नेतृत्व में भारत अपनी आजादी के 75 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में "आजादी का अमृत महोत्सव" मना रहा है। इस समारोह के पांच स्तंभ हैं, स्वतंत्रता संग्राम @75, विचार @75, उपलब्धियां @75, कार्य @75, और संकल्प @75, ये सभी स्तंभ हमारा मार्गदर्शन करते हुए हमें ऊर्जा एवं प्रेरणा से कर्त्तव्य पथ पर आगे बढने का बल प्रदान करेंगे। इस अवसर पर 43 वें राष्ट्रीय सांस्कृतिक पर्व 'अमृत स्तंभ' की शानदार शुरुआत हुई। 'आजादी का अमृत महोत्सव' "सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः" की मधुर प्रार्थना के साथ प्रख्यात बांसुरी वादक पंडित चेतन जोशी जी के मार्गदर्शन में 75 सीसीआरटी छात्रवृतिधारक एवं कलाकारों द्वारा सुरीले वाद्य संगीत के साथ प्रस्तुत किया गया।

भारतीय सेना के वीर योद्धा कैप्टन राम सिंह ठाकुरी द्वारा रचित प्रेरणादायक गीत "कदम कदम बढ़ाए जा, खुशी के गीत गाये जा" से हमारी चेतना में उपस्थित स्वतंत्रता संग्राम के महत्वपूर्ण क्षण और प्रसंग फिर से पुनर्जीवित हो गए। कार्यक्रम की इस महत्वपूर्ण संगीत एवं नृत्य प्रस्तुति को मऊमाला नायक, दिल्ली द्वारा कोरियोग्रॉफ किया गया । 1947 के बाद से मील का पत्थर साबित हुई महत्तवपूर्ण उपलब्धियों पर संगीतमय नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से स्वतंत्र भारत का चित्रण डॉ. तड़ेपल्ली, हैदराबाद द्वारा किया गया।

नई ऊर्जा के साथ अनेक आकांक्षाओं पर आधारित प्रेरणादायक एवं रोमांचित करनें वाली अगली संगीत-नृत्य प्रस्तुति **"होगा कल सुनहरा, विश्वास है ये गहरा"** जिसके बोल अध्यक्ष सीसीआरटी डॉ. हेमलता एस मोहन जी द्वारा लिखे गये तथा मऊमाला नायक, दिल्ली द्वारा इस को कोरियोग्राफ किया गया। इस प्रस्तुति ने हमें डर और पूर्वाग्रहों पर विजय पाने का सकारात्मक संदेश दिया तथा राष्ट्र के प्रति पूर्ण समर्पित होकर हमेशा अग्रसर रहते हुए हमारे नैतिक एवं संवैधानिक कर्त्तव्यों का निर्वाहण कैसे किया जाये यह बताया। साथ ही साथ एक बेहतर भविष्य की कामना करते हुए भारत के सांस्कृतिक वैविध्य से रुबरु कराया।

अध्यक्ष सीसीआरटी डॉ. हेमलता एस मोहन द्वारा रचित अगली प्रस्तुति **"स्वच्छाग्रह"** में बापू द्वारा बताये गए स्वच्छता संदेश के मूल्यों के भावनात्मक राग को छूते हुए हम सभी को स्वच्छता का संदेश दिया। कार्यक्रम की प्रस्तुति को अंजना मोई सैकिया, गुवाहाटी द्वारा कोरियोग्राफ किया गया। इस प्रस्तुति से देश के प्रति नागरिकों के दृष्टिकोण, व्यवहार और मूल्यों को समझने में आसानी होगी तथा भारत को सतत् विकास एवं उन्नति की ओर अग्रसर करनें में मदद मिलेगी।

कवि इंदर राज भूषण द्वारा रचित और अंजना मोई सैकिया, दिल्ली द्वारा कोरियोग्राफ की गई अंतिम लेकिन महत्वपूर्ण प्रस्तुति **"जय जय भारत भारती"** ने हमारे देश के समृद्ध संसाधनों और विविध संस्कृतियों, भाषाओं, पहनावों, वास्तुकला वाले लोगों के बीच सामंजस्य करते हुए हमें बताया कि हमारी पारंपरिक ज्ञान प्रणाली भाईचारे के मूल्य और भारतीय संस्कृति में निहित त्यौहार, रीति-रिवाज और खान-पान की आदतों आदि के साथ हमने हमेशा सभी को शान्ति का संदेश दिया तथा हमारी "विविधता में एकता" की अवधारणा जीवन को समृद्धि और आकर्षण प्रदान करती है जो हमें "आत्मनिर्भर भारत" "महात्मा गांधी के सपनों का भारत" बनाने के लिए हमेशा प्रेरित करती है।

ऋषि कुमार वशिष्ठ

For any other details in this regard, you may contact :
Mrs. Samriti Chopra, SMNO at Mobile No. 9560600582, email id: smno-ccrt@nic.in

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नयी दिल्ली-110075 भारत दूरभाष : 011-25074256; 25088638; 25309300
15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075 INDIA Phones : 011- 25074256; 25088638; 25309300
e-mail : dir.ccrt@nic.in ; director.ccrt@gov.in, website : www.ccrtindia.gov.in
इस कार्यालय में हिन्दी में प्राप्त पत्रों का स्वागत है।
इस कार्यालय में हर दिन भारतीय आधिकारिक भाषाओं का दिन है।

ऋषि कुमार वशिष्ठ
निदेशक
Rishi Kumar Vashist
Director

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र
Centre for Cultural Resources and Training
(Under the aegis of Ministry of Culture, Govt. of India)

POST-EVENT PRESS RELEASE

"Amrit Stambh" – CCRT's 43rd National Cultural Festival

August 15, 2021 7.00 pm

Hon'ble Chairperson CCRT, Dr. Hemlata S Mohan hoisted the National Flag of India at CCRT on 15th August 2021 in the presence of Director CCRT, Shri Rishi Kumar Vashist

"Amrit Stambh"-CCRT's 43rd National Cultural Festival got off to a glittering start on the occasion of the 75th anniversary of India's independence 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' with a melodious prayer

"Sarve Bhavantu Sukhinah; Sarve Santu Niramaya" accompanied with patriotic instrumental music and dance performances by 75 CCRT Scholar-Artists under the guidance of eminent Chairperson CCRT, Dr. Hemlata S Mohan and Director CCRT, Shri Rishi Kumar Vashist. The program was developed and music was composed under the direction of the internationally renowned flute maestro, Pandit Chetan Joshi.

The musical dance presentations were based on the five pillars of the Amrit Mahotsav i.e. Freedom Struggle, Ideas@75, Achievements@75, Actions@75, and Resolves@75 as guiding forces for moving forward keeping dreams and duties as inspiration.

The important moments and episodes of freedom struggle embedded in our consciousness got revived with the song "Kadam Kadam Badhaye Ja, Khushi Ke Geet Gaye Ja". It is an inspirational song originally composed by Captain Ram Singh for Indian National Army. The choreography of this music & dance presentation has been done by Ms. Moumala Nayak from Delhi.

The lyrics of the next musical-dance presentation "Jai Jai Bharat Bharati" composed by the Poet Vaidh Inder Raj Bhushan and choreographed by Dr. Anjana Moyee Saikia from Guwahati, highlighted the rich resources of our country and the harmony between people having diverse cultures, languages, dresses, architecture, festivals, rituals, and food habits just to name a few. The concept of "Unity in Diversity" lends enrichment and enchantment to life.

Beautifully presented musical dance presentation based on the theme of significant achievements and milestones since 1947 did justice to the depiction of Independent India. The choreography was by Dr. Tadepalli from Hyderabad.

The next presentation "Swacchagraha" composed by Chairperson CCRT, Dr. Hemlata S Mohan touched an emotional chord of values of cleanliness promoted by Bapu. Learning and helping in realizing the change in attitudes, behavior, and values will help India inching closer to reaching a model of sustainable development. The choreography is by Dr. Anjana Moyee Saikia from Guwahati.

The lyrics of the last but not the least musical-dance presentation high on energy and aspirations were composed by Dr. Hemlata S Mohan, Chairperson CCRT "Hoga Kal sunehra, vishvas hai yeh gehra" and choreographed by Ms. Moumala Nayak from Delhi. It conveyed the message of conquering our fears and prejudices and protect what is sacred to us thereby instilling self-confidence in everyone and simultaneously dream of a better future. The CCRT's Scholar-Artists performed with the same zeal that was found in abundance in erstwhile India.

Rishi Vashist

(Rishi Kumar Vashist)

For any other details in this regard, you may contact
Mrs. Samriti Chopra, SMNO at Mobile No. 9560600582, email id smno-ccrt@nic.in

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नयी दिल्ली-110075 भारत दूरभाष : 011-25074256; 25088638; 25309300
15A, Sector-7, Dwarka, New Delhi-110075 INDIA Phones : 011- 25074256; 25088638; 25309300
e-mail : dir.ccrt@nic.in ; director.ccrt@gov.in, website : www.ccrtindia.gov.in
इस कार्यालय में हिन्दी में प्राप्त पत्रों का स्वागत है।

Ministry of Culture
Government of India

CCRT in News - Amrit Stambh Melodious dance music presentation by CCRT Scholarship holders on Independence Day

सीसीआरटी ने स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया

द्वारका स्थित सीसीआरटी परिसर में आजादी की 75वीं वर्षगांठ के अवसर पर सीसीआरटी की अध्यक्ष डॉ. हेमलता एस मोहन व ऋषि कुमार वशिष्ठ, निदेशक सीसीआरटी की उपस्थिति में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। डॉ. हेमलता एस मोहन द्वारा रचित प्रेरक गीत 'होगा कल सुनहरा, विश्वास है ये गहरा' मऊमाला नायक ने प्रस्तुत किया। डॉ. हेमलता एस मोहन ने प्रधानमंत्री द्वारा शुरू किए अनेक सकारात्मक योजना कार्यों पर चर्चा के अलावा मन की बात की भी प्रशंसा की तथा सभी को स्वच्छता का संदेश दिया। वहीं सीसीआरटी के निदेशक ऋषि कुमार वशिष्ठ ने भी अपने संबोधन में करोनाकाल में भी अनेक ऑनलाइन रचनात्मक गतिविधियों तथा भावी योजनाओं का उल्लेख किया।

CORPORATE BUZZ

CCRT's festival begins

Chairperson of Centre for Cultural, Research & Training (CCRT), Dr. Hemlata S Mohan hoisted the national flag at CCRT on August 15, 2021 in the presence of Director CCRT, Rishi Kumar Vashist. "Amrit Stambh"- CCRT's 43rd National Cultural Festival got off to a glittering start on the occasion of the 75th anniversary of

India's Independence 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' with a melodious prayer "Sarve Bhavantu Sukhinah; Sarve Santu Niramaya" accompanied with patriotic instrumental music and dance performances by 75 CCRT scholar-artists under the guidance of Chairperson CCRT and Director CCRT. The programme was developed and music was composed under the direction of flute maestro Pandit Chetan Joshi. The programme was coordinated and organised by Dr. Rahul Kumar, Deputy Director, CCRT. The musical dance presentations were based on pillars of Amrit Mahotsav i.e. Freedom Struggle, Ideas@75, Achievements@75, Actions@75, and Resolves @75 as guiding forces for moving forward keeping dreams and duties as inspiration.

आजादी के अमृत महोत्सव से मिल रही प्रेरणा : डा. हेमलता

जागरण संवाददाता, पश्चिमी दिल्ली: स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर द्वारका स्थित सेंटर फार कल्चरल रिसोर्सेस एंड ट्रेनिंग (सीसीआरटी) परिसर में सीसीआरटी की अध्यक्ष डा. हेमलता एस मोहन ने ध्वजारोहण किया। इस दौरान संस्थान के निदेशक ऋषि कुमार मौजूद रहे। इस दौरान डा. हेमलता ने कहा कि भारत आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। इस महोत्सव से कर्तव्य पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा मिल रही है। इस अवसर पर 43वें राष्ट्रीय सांस्कृतिक पर्व अमृत स्तंभ की शुरुआत हुई।

कार्यक्रम के दौरान संगीत एवं नृत्य प्रस्तुति की मऊमाला नायक, दिल्ली द्वारा कोरियोग्राफ किया गया था। 1947 के बाद से मील का पत्थर साबित हुई महत्वपूर्ण उपलब्धियों पर संगीतमय नृत्य प्रस्तुति के माध्यम से स्वतंत्र भारत का चित्रण हैदराबाद के डा. तद्देपल्ली द्वारा किया गया।

'होगा कल सुनहरा, विश्वास है ये गहरा' गीत पर नृत्य की प्रस्तुति दी गई। गीत के बोल डा. हेमलता एस मोहन ने लिखे हैं। वहीं, द्वारका सेक्टर तीन, मधुविहार सोलंकी मार्केट में राष्ट्रीय युवा चेतना मंच के बैनर तले स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय युवा चेतना मंच के अध्यक्ष चौधरी रणबीर सिंह सोलंकी ने कहा कि हमारा कर्तव्य है कि हम [illegible] विकास में योगदान दें। [illegible]

मेरे शरीर पर एक-एक पड़ी लाठी
ब्रिटिश सरकार के ताबूत में एक-एक
कील का काम करेगी।

– लाला लाजपत राय

सरफ़रोशी की तमन्ना
अब हमारे दिल में है
देखना है ज़ोर कितना
बाजु-ए-कातिल में है।
– पं. राम प्रसाद 'बिस्मिल'

अब भी जिसका खून न खौला
खून नहीं वह पानी है,
देश के काम न आये जो
बेकार वे जवानी है।

– चन्द्रशेखर आज़ाद

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

(संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार)

15ए, सेक्टर-7, द्वारका, नई दिल्ली-110075, भारत

दूरभाष: 91-11-25309300

ई-मेल : dir.ccrt@nic.in, वेबसाइट : www.ccrtindia.gov.in

https://facebook.com/CCRTDelhi https://twitter.com/CCRTNewDelhi

https://instagram.com/ccrtnewdelhi YouTube.com/CCRT OFFICIAL CHANNEL

क्षेत्रीय केन्द्र

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

1-118/ सीसीआरटी, सर्वे नं. 64)

(गूगल कार्यालय के करीब)

मधापुर, हैदराबाद, तेलंगाना

पिन कोड: 500084

दूरभाष: +91-040-23111910/23117050

ई-मेल : rchyd.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

3बी, अम्बावगढ़, स्वरूप सागर झील के पास

उदयपुर, राजस्थान

पिन कोड: 313001

दूरभाष: +91-0294-2430771, 2430764

ई-मेल : rcud.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

58, जुरीपार, पंजाबारी रोड,

गुवाहाटी, असम

पिन कोड: 781037

दूरभाष: +91-0361-2330152, 2335316

ई-मेल : rcgwt.ccrt@nic.in

क्षेत्रीय केन्द्र

सांस्कृतिक स्रोत एवं प्रशिक्षण केन्द्र

पुरानी कलेक्ट्रेट बिल्डिंग,

दमोह, मध्य प्रदेश

पिन कोड: 470661